निजी अस्पतालों में सी-सेक्शन: NFHS-6 क्या बताता है

स्वास्थ्य • सामाजिक मुद्दे | GS-II | समाचार-संदर्भ: 20 नवंबर 2026 (सी-सेक्शन बहस)
प्रिलिम्स: NFHS, WHO की सावधानी, मातृ-स्वास्थ्य कार्यक्रम | प्रकाशन: 21 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

भारत में बढ़ते सिजेरियन (सी-सेक्शन) प्रसवों की बहस के बीच **राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-6), 2023-24** के आधिकारिक तथ्य-पत्र (फैक्ट शीट) के आंकड़े फिर चर्चा में हैं - देश में निजी स्वास्थ्य संस्थानों में हुए प्रसवों का **54.1%** सी-सेक्शन से हुआ, जबकि कुल प्रसवों में यह दर **27.2%** पहुँच गई है। NFHS-5 (2019-21) में ये दरें क्रमशः 47.4% और 21.5% थीं - दोनों स्तर पर साफ़ वृद्धि।

ये तथ्य-पत्र अनंतिम हैं। प्रसव-संबंधी संकेतक सर्वेक्षण से पहले के पाँच वर्षों के जन्मों पर आधारित हैं; इन्हें 2026 में हुए सभी प्रसवों की वार्षिक दर न समझें।

WHO की सावधानी और भारत के आँकड़े

WHO के 2015 वक्तव्य में बताया गया कि 1985 से अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा-समुदाय 10-15% को आदर्श जनसंख्या-दर मानता रहा था। उसी वक्तव्य का जोर किसी दर का लक्ष्य पूरा करने के बजाय जरूरतमंद महिला को सी-सेक्शन उपलब्ध कराने पर है। जनसंख्या-स्तर पर दर 10% की ओर बढ़ने पर मातृ-नवजात मृत्यु घटती है; इससे ऊपर मृत्यु में अतिरिक्त सुधार का प्रमाण नहीं मिला। यह किसी मरीज या अस्पताल के लिए अधिकतम सीमा नहीं है। निजी और सार्वजनिक अस्पतालों के मरीजों का जोखिम अलग हो सकता है; केवल दर से अनावश्यक ऑपरेशन का निष्कर्ष नहीं निकलता।

NFHS-6 के मुख्य आंकड़े

- **कुल दर**: सभी प्रसवों में 27.2% सी-सेक्शन (NFHS-5 में 21.5%) - शहरी क्षेत्रों में 40.5% और ग्रामीण में 22.8%।
- **संस्थान-प्रकार**: निजी संस्थानों में 54.1% (NFHS-5 में 47.4%); सार्वजनिक संस्थानों में 16.9% (NFHS-5 में 14.3%)।
- **संस्थागत प्रसव**: सर्वेक्षण से पहले के पाँच वर्षों के प्रसवों में 90.6% संस्थागत थे और कुल प्रसवों का 58.6% सार्वजनिक संस्थानों में हुआ; कुशल स्वास्थ्य-कर्मियों की उपस्थिति में 91.3% प्रसव।

- **निगरानी-पद्धति**: WHO सी-सेक्शन दरों की तुलना के लिए **रोबसन वर्गीकरण** अपनाने का प्रस्ताव देता है, क्योंकि मानकीकृत अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण की कमी इस रुझान की समझ में बाधा रही है।

चिकित्सकीय आधार क्या हैं

चिकित्सकीय रूप से जरूरी सी-सेक्शन माँ और शिशु की जान बचा सकता है। ऑपरेशन की जरूरत महिला की स्थिति, शिशु की स्थिति और प्रसव-जटिलताओं के आधार पर चिकित्सकीय मूल्यांकन से तय होती है। किसी जोखिम-कारक का मौजूद होना अपने-आप ऑपरेशन अनिवार्य नहीं बनाता। रोबसन वर्गीकरण प्रसव-संबंधी विशेषताओं के आधार पर महिलाओं को समूहों में बाँटकर दरों की तुलना में मदद करता है; वह अकेले ऑपरेशन का निर्देश नहीं देता।

नीति-दृष्टि से महत्व

- **मातृ-सुरक्षा कार्यक्रम**: जननी सुरक्षा योजना, PMJAY जैसी योजनाओं में प्रसव-पैकेज और प्रोत्साहन-संरचना की समीक्षा की माँग मजबूत होती है।
- **विनियमन**: क्लीनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स ढाँचे में सी-सेक्शन दरों की पारदर्शिता और निगरानी का विषय।
- **NFHS की भूमिका**: NFHS (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; क्षेत्र-कार्य का नोडल संस्थान IIPS, मुंबई) भारत के प्रमुख जनस्वास्थ्य संकेतकों का आधिकारिक स्रोत है।

आगे की राह

दो स्तर पर काम संभव है - नैदानिक निर्णय-मानकों (जैसे रोबसन वर्गीकरण-आधारित निगरानी) का पालन सुनिश्चित कर अनावश्यक सी-सेक्शन पर रोक, और निजी क्षेत्र के प्रोत्साहन-ढाँचे का पुनर्रेखांकन। सार्वजनिक क्षेत्र की दरें अपेक्षाकृत कम हैं, पर वहाँ गुणवत्ता और कर्मी-उपलब्धता बनाए रखना भी उतना ही ज़रूरी है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "भारत में निजी क्षेत्र की बढ़ती सी-सेक्शन दरें नैदानिक जरूरत, पहुँच, पारदर्शिता और आर्थिक प्रोत्साहन की संयुक्त जाँच की माँग करती हैं।" NFHS-6 के आंकड़ों के आलोक में परीक्षण कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका:
WHO की सावधानी और भारत के आँकड़े।

मुख्य भाग:
NFHS-6 के प्रमाण (कुल 27.2%, निजी 54.1%, सार्वजनिक 16.9%); शहरी-ग्रामीण अंतर; चिकित्सकीय आधारों की वैधता बनाम अतिरिक्त; नियामकीय और नीति विकल्प।

निष्कर्ष:
पारदर्शिता, प्रोत्साहन-पुनर्रेखांकन और मातृ-स्वास्थ्य गुणवत्ता।

FAQ

संक्षिप्त उत्तर: NFHS-6 (2023-24) के अनुसार निजी स्वास्थ्य संस्थानों में हुए प्रसवों का 54.1% सी-सेक्शन से हुआ और कुल दर 27.2% है, जबकि ऐतिहासिक 10-15% जनसंख्या-बेंचमार्क को व्यक्तिगत उपचार का लक्ष्य नहीं समझना चाहिए।

प्रश्न: क्या 10-15% हर अस्पताल का लक्ष्य है?

नहीं। यह ऐतिहासिक जनसंख्या-बेंचमार्क है। मरीजों के जोखिम और रेफरल के अंतर के कारण अस्पतालों की दरों की सीधी तुलना भ्रामक हो सकती है; प्राथमिकता जरूरतमंद महिला को सुरक्षित उपचार है।

प्रश्न: NFHS-6 में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की दरों में कितना अंतर है?

शहरी क्षेत्रों में 40.5% और ग्रामीण में 22.8% प्रसव सी-सेक्शन से हुए।

प्रश्न: NFHS क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का प्रमुख पैमाने का पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण - जनस्वास्थ्य संकेतकों का आधिकारिक स्रोत।

स्रोत

1. NFHS-6 (2023-24) भारत और राज्य/केंद्र-शासित प्रदेश तथ्य-पत्र, IIPS/स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय: https://www.nfhsiips.in/nfhsuser/assets/National%20Family%20Health%20Survey%20(NFHS-6)%202023-2024%20Fact%20Sheets.pdf
2. NFHS आधिकारिक पोर्टल: https://rchiips.org/nfhs/
3. WHO statement on caesarean section rates (2015): https://www.who.int/publications/i/item/WHO-RHR-15.02
4. WHO, देश और अस्पताल की दरों पर स्पष्टीकरण: https://www.who.int/news-room/questions-and-answers/item/who-statement-on-caesarean-section-rates-frequently-asked-questions
5. स्वास्थ्य मंत्रालय, NFHS-6 का आधिकारिक सार: https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2266600&lang=2&reg=3&v=6

PCS MANTRA